an>

Title: Need to promote the engineers working in the safety department of railways to a higher grade pay.

श्रीमती रक्षाताई खाडसे (रावेर) : माननीय अध्यक्ष जी, रेल की व्यवस्था सही समय से और सुरक्षित रूप से चलाने में सभी विविध विभागों में काम करने वाले रेल इंजीनियर्स जिनकी रेल में संख्या करीब 80,000 है, इनकी एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यही नहीं, भारतीय रेल एक ऐसे देश की संस्था है जो कि टैक्नीकल संस्था मानी जाती है और यह टैक्नीकल संस्था जिन इंजीनियर्स के सहारे चलती है, जो कि सेफ्टी कैटेगरी में समाविष्ट है। इन रेल इंजीनियर्स को ग्रेड पे 4600 ग्रुप सी नॉन गेजेट रेल सेवा में समाविष्ट किया जाता है जबकि केन्द्र के किसी भी अन्य विभाग में सभी इंजीनियर ग्रुप बी या उसके ऊपर की श्रेणी में शामिल हैं। रेल का अन्य नॉन-टैक्नीकल स्टॉफ जो कि ज्यादातर क्लैरिकल काम करता है और नॉन-सेफ्टी कैटेगरी में जिनका समावेश है, उनका ग्रेड भी इन इंजीनियर्स से ज्यादा है तथा ग्रुप बी कैटेगरी से ऊपर श्रेणी में उनका समावेश है।

माननीय रेल मंत्री जी ने अपनी बजट स्पीच में डॉ. विवेक देव राय की अध्यक्षता वाली समिति और अन्य समिति की अनेक सिफारिशों का समावेश अपने रेल बजट में किया है। इन समितियों की यह भी सिफारिश रही है कि रेल के इंजीनियर्स जो कि सेफ्टी कैटेगरी में आते हैं, उचित श्रेणी में उनका समावेश किया जाए जिससे रेल इंजीनियर्स की जिम्मेदारी और बढ़े और रेल को अच्छी तरह से चलाने में उनका योगदान हो सके। मैं सदन के माध्यम से इन 80000 इंजीनियर्स की संख्या और उनकी सेफ्टी कैटेगरी का ध्यान रखते हुए, उन्हें उचित श्रेणी में समाविष्ट करने की मांग रखती हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री रोड़मल नागर, श्रीमती संतोष अहलावत, श्रीमती रीती पाठक, श्रीमती रंजना बेन धनंजय भट्ट, श्री राजीव सातव को श्रीमती रक्षाताई खाडसे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।